ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-5* Issue-12* March-2021
Anthology : The Research

अनुसूचित जाति श्रमिक प्रवास का आर्थिक प्रभावः भोजपुर जिला का जोगता ग्राम पंचायत पर आधरित एक भौगोलिक अध्ययन

Economic Impact of Scheduled Caste Labor Migration: A Geographical Study Based on Jogta Gram Panchayat of Bhojpur District

Paper Submission: 03/03/2021, Date of Acceptance: 21/03/2021, Date of Publication: 24/03/2021

अतुल कुमार
शोधार्थी,
भूगोल विभाग,
वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,
आरा, बिहार, भारत

सारांश

प्रवास एक प्रक्रिया है जिसमें एक भौगोलिक इकाई की जनसंख्या से दूसरे भौगोलिक इकाई की जनसंख्या में पलायन होता है। भारतवर्ष में क्षेत्रीय विकास एक समान नहीं हुआ है । इसलिए कुछ क्षेत्र में ज्यादा विकास हुआ है तो कुछ क्षेत्र बहुत ही कम विकसित हुए हैं। परिणाम स्वरूप कम विकसित क्षेत्रों के लोग अधिक विकसित क्षेत्रों में रोजगार की तलाश में जाते रहते हैं। प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र बिहार राज्य का एक बाढ़ तथा सुखाड़ प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यहां के लोग बहुत ही गरीब हैं इसलिए अधिक विकसित क्षेत्रों जैसे दिल्ली पंजाब, गुजरात तथा महाराष्ट्र में बाह्य प्रवास करते हैं तथा वहां की अपनी आमदनी का कुछ हिस्सा बचा कर अपने घर भेजते हैं जिससे उसके परिवार के रहन–सहन में सुधार हुआ है।

Migration is a process in which the population of one geographic unit migrates from the population of another geographic unit. Regional development in India has not been uniform. Therefore, some areas have developed more and some areas have developed very less. As a result, people from less developed areas keep going in search of employment in more developed areas. The present study area comes under a flood and drought affected area of the state of Bihar. The people here are very poor, so they migrate out to more developed areas like Delhi, Punjab, Gujarat and Maharashtra and save some part of their income there and send it to their homes, which has improved the living conditions of his family.

मुख्य शब्द : प्रवास, पलायन, रोजगार, बाढ़, सुखाड़, गरीब।
Migration, Migration, Employment, Flood, Drought, Poor.

प्रस्तावना

प्रवास एक प्रक्रिया है जिसमें एक भौगोलिक इकाई की जनसंख्या से दूसरे भौगोलिक इकाई की जनसंख्या में पलायन होता है। डॉ सिन्हा के अनुसार मनुष्य जब एक स्थान से दुसरे स्थान पर एक समय सीमा के भीतर स्थायी या अस्थायी रूप से बदलाव करता है तो उसे प्रवास कहते है। आज ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों, औधोगिक केन्द्रों या अन्य विकसित प्रदेशों में लोगों का पलायन एक महत्वपूर्ण घटना हो गयी है। इस तरह की सामाजिक गतिशीलता तुलनात्मक रूप से विकाससील देशों में ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है जँहा सामाजिक–आर्थिक विकास उन्नति पर है। इस तरह का ग्रामीण से नगर की ओर जनसंख्या की गतिशीलता प्रायः सभी विकासशील देशों में महत्वपूर्ण हो गया है। इस तरह की प्रवास गतिशीलता हॉल के वर्षो में ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि ग्रामीणों तथा नगरीय क्षेत्रों का विकास अंसतुलित रूप में हुआ है। प्रायः सभी विकासशील देशों में नगर क्षेत्रों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास का अवसर समान रूप से नही किया गया। वास्तव में कुछ ही बड़े नगर नगरीय क्षेत्रों के विकास के सभी शीर्ष पर सरकार ज्यादा ध्यान दी है जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा हुई है जिससे लोगों में अंसतोष बढ़ा है। भारतीय उपमहाद्विपीय भी इस तरह के भेद भाव से अछूता नही रहा है। भारत तथा इसके राज्यों में भी

कुछ ही शहर ज्यादा विकसित हुए है जिसके कारण भारत के ग्रामीण इलाके के लोग रोजगार के अवसर के तलाश में विकसित केन्द्र पर वाह्य प्रवास करते है।

प्रस्तुत अध्ययन का उददेश्य गॉव से नगरों की ओर श्रमिकों तथा गरीब किसान तथा खासकर अनुसूचित जाति के श्रमिकों का वाहय प्रवास करना तथा उससे आर्थिक क्रियाशीलन पर पड़े प्रभावों का अध्ययन करना है जिससे भोजपुर जिला का पिछड़ा एवं अनुसूचित जाति के महतवपूर्णो जोगता ग्राम पंचायत का अध्ययन के लिए इकाई के रूप में चयन किया गया है। भोजपुर जिला के अर्न्तगत कोईलवर प्रखंड के जोगता ग्राम पंचायत गंगा के मध्यघाटी मैदान का भोजपुर मैदानी प्रदेश का एक अंश है। भोजपुर जिला स्थित जोगता पंचायत के अनुसूचित जातियों का वाध्य प्रवास का अध्ययन इसलिए चुना गया क्योकि यह बाढ़ एवं सूखाड दोनों से प्रभावित क्षेत्र है। यहों के गरीब लोगों की हालत दयनीय है। खास कर अनुसूचित जाति के लोग अधकाशतः भूमिहीन तथा गरीब श्रमिक है जो इस पंचायत से दूसरे पंचायत तथा जिला एवं राज्य के बाहर भी वाह्य प्रवास करते है। इस पंचायत के अधीन तीन ग्राम स्थित है जिनका नाम क्रमशः जोगता, जहनपुर तथा सुन्दरा ग्राम है। रामडिहल टोला जोगता गॉव का ही एक टोला है जो मुख्य ग्राम से हटकर बसा हुआ है। जोगता ग्राम तथा रामडिहल टेला कुम्भरी नदी द्वारा एक दूसरे से पृथक होती है। इस ग्राम पंचायत का कुल क्षेत्र फल 637 हेक्टेयर है तथा कुल घरो की संख्या 1420 है जिसमें कुल 9626 लोग निवास करते है। इस पंचायत में अनुसूचित जाति के लोगों जनसंख्या 815 है।

जोगता ग्राम पंचायत सड़क मार्ग द्वारा उत्तर में स्थित आरा रेलवे स्टेशन से जुड़ा हुआ है। इस पंचायत के लोग आरा रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। आरा रेलवे स्टेशन भारत के विभिन्न राज्यों में रेल मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। इस पंचायत में प्राथमिक, मध्यस्तर तथा इन्टर स्तर तक की शिक्षा की सुविधा है। उच्च शिक्षा के लिए इस पंचायत के लोगों को पंचायत के बाहर जाना पड़ता है। सिचाई के लिए नलकूप तथा कुम्भरी नदी के जल को मोटर द्वारा निकाल कर सिचाई की जाती है। यहों खरीफ फसल तथा रबी फसल दानों फसल होता है।

जोगता ग्राम पंचायत में मध्यम भूस्वामी छेटे किसान तथा भूमिहीन किसान पाये जाते है। इस ग्राम पंचायत में ज्यादातर मध्यम किसान है जिनके पास 05 से 10 एकड़ जमीन है। ये अपने ज्यादातर खेतो में खेती स्वयं करते है। छोटे किसान वे है जिनके पास अपनी भूमि तो है लेकिन इतनी कम है कि वर्ष भर के लिए भी अनाज पैदा नही कर पाते है। गॉव के भूमिहीन किसान कृषि कार्य करते है। ग्राम पंचायत के सभी कृषक श्रमिकों को ग्राम पंचायत के अन्दर रोजगार उपलब्ध नहीं होता है। इस पंचायत में लगभग सभी जाति के लोग निवास करते है। जोगता तथा जहनपुर में यादव जाति के लोग ज्यादा निवास करते है। जोगता ग्राम के अनुसूचित जाति में पासवान (दुसाध) जाति की संख्या ज्यादा है तो जहनपुर ग्राम के अनुसूचित जाति के रूप में मुँसहर जाति के लोग ज्यादा है। सुन्दरा ग्राम में राजपूत (क्षत्रिय) जाति के ज्यादा लोग है जो की धनी है। अनुसूचित जाति के रूप में यहो भी मुँसहर जाति के लोग की संख्या ज्यादा है।

सामाजिक तथा आर्थिक कारणों से पिछड़ी जाति के किसान अनुसूचित जाति के भूमिहीन किसांन रोजगार के लिए नगरों तथा देश के दूसरे राज्यों में नगरों तथा ग्रामीण क्षोत्रों में मजदूरी के लिए प्रवास करते है। ग्राम पंचांयत के प्रवासित श्रमिक एक ही समय तथा एक ही वर्ष में प्रवास नही किये है बल्कि धीरे–धीरे विभिन्न समयों तक वर्षो में प्रवास किये है। प्रांरभ में बहुत कम श्रमिक प्रवास किये थे लेकिन जब वे कुछ वर्षो के बाद गॉव लोटे तो गॉव के बेरोजगार श्रमिको को भी साथ लेते गये । प्रवासित मजदूरों की आर्थिक स्थिति धीरे–धीरे सुधर रही है जो अन्य अप्रवासित मजदूरों के लिए अनुकरणीय है।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य गांव नगरों की ओर श्रमिक तथा गरीब अनुसूचित जाति के श्रमिकों का बाह्य प्रवास करना तथा उससे आर्थिक क्रियाशीलन पर पड़े प्रभाव का अध्ययन करना है। जिसके लिए भोजपुर जिला के जोगता ग्राम पंचायत का अध्ययन किया गया है।

शोध विधि

जोगता ग्राम पंचायत की आबादी सधन है जिसमें करीब 10 हजार लोग निवास करते है। केवल अनुसूचित जाति के लोगों को अध्ययन के लिए चुना गया है क्योकि ज्यादा वाहृय प्रवास यही लोग करते है। समय व्यय को देखते हुए इस पंचायत के तीन ग्राम के अनुसूचित जाति क लोगों को चुना गया है जिसमें या तो प्रवासी है या अप्रवासी है।

चुने हुए प्रवासी तथा अप्रवासी लोगों को प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी संग्रह किया गया तथा इसका विश्लेषण भी किया गया। इस विश्लेषण के माध्यम से अनुसूचित जाति के प्रवासी तथा अप्रवासी परिवरो के आर्थिक दशा की जानकारी प्राप्त की गयी जो निम्न तालिका से स्पष्ट है।

वाह्य प्रवास के कारण

अध्ययन की प्रकृति मुख्यतः प्रारम्भिक आंकड़ो क्षेत का गहन अध्ययन पर निर्भर करता है। इसलिए जोगता ग्राम पंचायत के कुछ परिवारों का चयन किया गया है जो प्रवासी तथा अप्रवासी परिवारों से प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी इकट्टा की गयी है तथा इन परिवारों जो प्रवासी तथा अप्रवासी है के आर्थिक दशाओं का विश्लेषण किया गया है।

Table : Percapita income of the Respondents

Name of the family of S.C. of villages	Jogta	Johanpur	Sundra
No of 10 Migrant family	89	73	58
Non-migrant family	100	100	100

Income below Rs 1000

	Jogta	Johanpur	Sundra
Migrant family	8	12	03
%	7.12	8.76	1.7
Non migramt family	40	38	32
%	40	38	32

Income belew 1000-2000

	Jogta	Johanpur	Sundra
Migrant family	21	19	13
%	18.69	13.87	7.54
Non migramt family	20	22	25
%	20	22	25

Income above – 2000

	Jogta	Johanpur	Sundra
Migrant family	60	42	42
%	53.4	30.6	24.31
Non migramt family	3	4	2
%	3	4	2

उपरोक्त वर्णित तालिका से स्पष्ट होता है प्रवासित श्रमिक जो अनुसूचित जाति से आते है, उनकी आर्थिक दशा अप्रवासित अनुसूचित जाति के श्रमिकों की तुलना में अच्छा है। अनुसूचित जाति के प्रवासी मजदूर में से कुछ ने जमीन भी खरीदा है, कुछ लोगों ने पक्का मकान भी बनाया है तथा कुछ अप्रवासी मजदूर अपने बच्चे को शिक्षा पर ज्यादा व्यय कर रहे है। इसके अलवा अनुसूचित जाति के प्रवासी मजदूर सामाजिक उत्सव धुम–धाम से मनाते है। प्रवास प्रक्रिया के करणा प्रभावशाली पिछड़ी तथा अगड़ी जातियों के सम्पन्न कृषकों के आर्थिक दशाओ पर भी प्रभाव पड़ो है क्योकि प्रवास होने के कारण कृषक मजदूरों की कमी हो गयी है जिसके कारण वे लोग घाटे में रहते है। दूसरी तरफ प्रवासी परिवारों को बाहर गये लोगो से आमदनी होता रहता है जिससे प्रवासी मजदूरी फायदे में रहते है। इसके कारण निर्धन श्रमिको तथा भूमिहीन श्रमिकों को अर्थिक दशा में मजबूती मिलती है।

उपरोक्त वर्णित तालिका जोगता ग्राम पंचायत के जोगता ग्राम के प्रवासी मजदूरी के 53.4% परिवार प्रतिमाह 2000 रू0 ज्यादा आमदनी वाले है जहनपुर में 30.6% तथा सुन्दरा में 24.31% । यदि अप्रवासित श्रमिकों के परिवार के प्रति माह 2000 रू0 ज्यादा आमदनी करते है उनकी सख्या जोगता ग्राम में 3 प्रतिशत जहनुसुरग्राम के 4 प्रतिशत तथा सुन्दरा ग्राम में 2 प्रतिशत है।

उपरोक्त तालिका जोगता ग्राम पंचायत के अनुसूचित जाति के मासिक आय प्रति व्यक्ति दर्शाता है तथा स्पष्ट करता है कि जो अनुसूचित जाति के प्रवासी श्रमिक है उनका अप्रवासी श्रमिको के तुलना में मासिक आमदनी ज्यादा है। उपरोक्त तालिका में स्पष्ट होता है कि जोगता ग्राम पंचायत में प्रवासी मुजदूर 7.12% ही लोग प्रतिमाह 1000 रूपये आमदनी वाले है जबकि 40% श्रमिको की आमदनी 1000 रूपये प्रतिमाह है। इसी तरह 2000 से आय वाले श्रमिक जोगटा ग्राम मे 53.4% जहनपुर में 30.6% तथा सुन्दरा में 24.31% है। जबकि अप्रवासी अनुसूचित हाति के परिवारों की सख्या जोगता में 3% जहनपुर में 4% तथा सुन्दर में 2% है।

इस तरह से लघुशोध द्वारा स्पष्ट होता है कि जोगता ग्राम पंचायत में अनुसूचित जाति के प्रवासी मजदूरी की आर्थिक स्थिति अप्रवासी श्रमिको के तुलना में अच्छी है जिससे प्रवासी मजदूरी का जीवन स्तर अप्रवासी मजदूरी की तुलना में उँचा हो रहा है।

निष्कर्ष

इस अध्ययन का निष्कर्ष यह है कि जोगता ग्राम पंचायत के ग्राम के अनुसूचित जाति के प्रवासी परिवार अनुवासी परिवारों के तुलना में ज्यादा खुशहाल हैं। इनका जीवन स्तर अप्रवासी परिवारों की तुलना ऊंचा है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *Sinha, B.R.K ;" Human migration : concept and approaches published in out migration(pattcrn and inplications " editted by Dr.S.P Sinha & Dr. R.P yadav P.P -2.1-2.17*
2. *Singh, Dr.H.L; " Land utilization in koilwar block (Bhojpur) A unpublished Ph.d thesis, M.U Bodh Gaya (1980)*
3. *Singh , Lallan; " Rural settlement Geography : A case study of Patna distcict published by Uttar Bhoogol Parishad Gorakhapur (1982)*
4. *Singh, H.L.S Prasad .M;" Rural Development and micro – level Planning :A case study of Koilwar Block Bhojpur (Bihar) edited by prof.(Dr.) L.R.Singh, G.B.pant socialscience, institute, Allahabad (Published by Thinkers Library , Allahabad (U.P).*
5. *Gond, Rakesh Kumar : बिहार के सिवान जिला में गोंड जनजाति की कृषि समस्याएं : एक भौगोलिक अध्ययन, Published in Geographical perspective, Vol 18, year 2020*
6. *Dr. Roy Rameshwar & Singh K.K. : The impact of resources on development : A case study of magadh devision, Parihar published in the journal of Magadh on review' Vol IX No. 10 December 2009*